Raj Express (Indore), 25th February 2026, Page – 04

► दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरा करना चाहिए वास्तविक सामाजिक जरूरतें : प्रो. जोशी

प्रशिक्षण में तीन प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर के ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) की ओर से दो दिवसीय गौशाला, नयागांव, ग्राम पंचायत सिमरोल, तहसील महू, जिला इंदौर में दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। यह कार्यक्रम डीएसटी-एसईईडी परियोजना के तहत सिमरोल ब्लॉक में समुदाय-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लाइवलीहूड इंटरवेंशंस के लिए आयोजित किया गया। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, संस्थान में, हम दृढ़ता से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से वास्तविक सामाजिक जरूरतों को पूरा करना चाहिए। इस तरह के डीएसटी-एसईईडी-समर्थित कार्यक्रम जैसी पहलों के माध्यम से, हम समुदायों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि आम लोगों के लिए स्थाई आजीविका के अवसर पैदा किए जा सकें। व्यावहारिक कौशल और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के साथ ग्रामीण आबादी को सशक्त बनाना समावेशी और न्यायसंगत विकास के लिए आवश्यक है।

स्थाई आजीविका के अवसर को मजबूत करना

पहल का उद्देश्य प्रायोगिक, समुदाय-केंद्रित क्षमता निर्माण के माध्यम से स्थाई आजीविका के अवसरों को मजबूत करना था। प्रशिक्षण में तीन प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें जैविक खेती प्रौद्योगिकियां, निर्माण सामग्री व संबंधित कौशल विकास और पीडीआई प्रणाली के माध्यम से फसल कटाई के बाद के समाधान। सिमरोल ब्लॉक के कुल 95 प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रदर्शनों, इंटरैक्टिव कार्यशालाओं और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली चर्चाओं में शामिल हुए।

नुकसान कम करने और मूल्य वर्धन को बढ़ाना

आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों और तकनीकी विशेषज्ञों ने नुकसान को कम करने और मूल्य वर्धन को बढ़ाने के लिए आधुनिक जैविक खेती पद्धतियों, स्थानीय रूप से उपलब्ध निर्माण सामग्री के कुशल उपयोग और फसल कटाई के बाद उन्नत प्रबंधन तकनीकों पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों के बीच तकनीकी ज्ञान, रोजगार क्षमता और आय-उत्पादक क्षमताओं में सुधार के लिए व्यावहारिक शिक्षा पर जोर दिया गया। यह पहल वंचित समुदायों की जरूरतों के अनुरूप ग्रामीण सशक्तिकरण, समावेशी विकास और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों के प्रति सीआरडीटी, आईआईटी इंदौर की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जमीनी स्तर पर ज्ञान के अंतर को पाटने और कौशल वृद्धि को सक्षम करने से, यह कार्यक्रम क्षेत्र में सतत् ग्रामीण आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास में सार्थक योगदान देता है।